Luk

Chapter 1

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1	Ἐπειδήπερ	πολλοὶ	ἐπεχείρησαν	ἀνατάξασθαι	διήγησιν,	περὶ	τῶν
	क्योंकि	बहुतों-ने	प्रयास-किया	क्रम-से-लिखने	वृत्तांत	के-विषय-में	उन
	G1895	G4183	G2021	G0392	G1335	G4012	G3588

πεπληροφορημένων	ἐν	ἡμῖν	πραγμάτων,
पूर्ण-हुई	में	हम-में	बातों
G4135	G1722	G1473	G4229

> बहुत से लोगों ने हमारे बीच घटी बातों का ब्यौरा लिखने का प्रयत्न किया।

2	καθὼς	παρέδοσαν	ἡμῖν,	οἱ	ἀπ’	ἀρχῆς,	αὐτόπται	καὶ	ὑπηρέται	γενόμενοι
	जैसा	सौंपा	हमें	उन्होंने-जो	से	आरंभ	प्रत्यक्षदर्शी	और	सेवक	होकर
	G2531	G3860	G1473	G3588	G0575	G0746	G0845	G2532	G5257	G1096

τοῦ	λόγου,
के	वचन
G3588	G3056

> वे ही बातें हमें उन लोगों द्वारा बतायी गयीं, जिन्होंने उन्हें प्रारम्भ से ही घटते देखा था और जो सुसमाचार के प्रचारक रहे थे।

3	ἔδοξε	κἀμοὶ,	παρηκολουθηκότι	ἄνωθεν	πᾶσιν,	ἀκριβῶς,	καθεξῆς	σοι
	अच्छा-लगा	मुझे-भी	अनुसरण-करके	ऊपर-से	सब-बातों-का	ठीक-से	क्रमानुसार	तुझे
	G1380	G2504	G3877	G0509	G3956	G0199	G2517	G4771

γράψαι,	κράτιστε	Θεόφιλε,
लिखने	श्रेष्ठ	थियुफिलुस
G1125	G2903	G2321

> हे मान्यवर थियुफिलुस! क्योंकि मैंने प्रारम्भ से ही सब कुछ का बड़ी सावधानी से अध्ययन किया है इसलिए मुझे यह उचित जान पड़ा कि मैं भी तुम्हारे लिये इसका एक क्रमानुसार विवरण लिखूँ।

4	ἵνα	ἐπιγνῷς,	περὶ	ὧν	κατηχήθης,	λόγων,	τὴν	ἀσφάλειαν.
	ताकि	तू-जान-ले	जिन-के-विषय-में	जिन	सिखाया-गया	बातों	की	सच्चाई
	G2443	G1921	G4012	G3739	G2727	G3056	G3588	G0803

> जिससे तुम उन बातों की निश्चिंतता को जान लो जो तुम्हें सिखाई गयी हैं।

5	Ἐγένετο	ἐν	ταῖς	ἡμέραις	Ἡρῴδου	βασιλέως	τῆς	Ἰουδαίας	ἱερεύς	τις,
	हुआ	में	उन	दिनों	हेरोदेस	राजा	के	यहूदिया	याजक	एक
	G1096	G1722	G3588	G2250	G2264	G0935	G3588	G2449	G2409	G5100

ὀνόματι	Ζαχαρίας,	ἐξ	ἐφημερίας	Ἀβιά,	καὶ	γυνὴ	αὐτῷ	ἐκ	τῶν	θυγατέρων
नाम	जकर्याह	से	दल	अबियाह	और	पत्नी	उसकी	से	उन	पुत्रियों
G3686	G2197	G1537	G2183	G0007	G2532	G1135	G0846	G1537	G3588	G2364

Ἀαρών,	καὶ	τὸ	ὄνομα	αὐτῆς	Ἐλισάβετ.
हारून	और	उसका	नाम	उसका	इलीशिबा
G0002	G2532	G3588	G3686	G0846	G1665

> उन दिनों जब यहूदिया पर हेरोदेस का राज था वहाँ जकरयाह नाम का एक यहूदी याजक था जो उपासकों के अबिय्याह समुदाय का था। उसकी पत्नी का नाम इलीशिबा और वह हारून के परिवार से थी।

6	ἦσαν	δὲ	δίκαιοι	ἀμφότεροι	ἐναντίον	τοῦ	Θεοῦ,	πορευόμενοι	ἐν	πάσαις
	थे	और	धर्मी	दोनों	सामने	के	परमेश्वर	चलते-हुए	में	सब
	G1510	G1161	G1342	G0297	G1726	G3588	G2316	G4198	G1722	G3956

ταῖς	ἐντολαῖς	καὶ	δικαιώμασιν	τοῦ	Κυρίου	ἄμεμπτοι.
उन	आज्ञाओं	और	विधियों	के	प्रभु	निर्दोष
G3588	G1785	G2532	G1345	G3588	G2962	G0273

> वे दोनों ही धर्मी थे। वे बिना किसी दोष के प्रभु के सभी आदेशों और नियमों का पालन करते थे।

7	καὶ	οὐκ	ἦν	αὐτοῖς	τέκνον,	καθότι	ἦν	ἡ	Ἐλισάβετ	στεῖρα,	καὶ
	और	नहीं	था	उन्हें	संतान	क्योंकि	थी	वह	इलीशिबा	बांझ	और
	G2532	G3756	G1510	G0846	G5043	G2530	G1510	G3588	G1665	G4723	G2532

ἀμφότεροι	προβεβηκότες	ἐν	ταῖς	ἡμέραις	αὐτῶν	ἦσαν.
दोनों	बढ़े-हुए	में	अपने	दिनों	अपने	थे
G0297	G4260	G1722	G3588	G2250	G0846	G1510

> किन्तु उनके कोई संतान नहीं थी, क्योंकि इलीशिबा बाँझ थी और वे दोनों ही बहुत बूढ़े हो गए थे।

8	Ἐγένετο	δὲ	ἐν	τῷ	ἱερατεύειν	αὐτὸν,	ἐν	τῇ	τάξει	τῆς	ἐφημερίας
	हुआ	और	में	जब	याजक-कार्य-करते	वह	में	उस	क्रम	के	दल
	G1096	G1161	G1722	G3588	G2407	G0846	G1722	G3588	G5010	G3588	G2183

αὐτοῦ	ἔναντι	τοῦ	Θεοῦ,
उसके	सामने	के	परमेश्वर
G0846	G1725	G3588	G2316

> जब जकरयाह के समुदाय के मन्दिर में याजक के काम की बारी थी, और वह परमेश्वर के सामने उपासना के लिये उपस्थित था।

9	κατὰ	τὸ	ἔθος	τῆς	ἱερατείας,	ἔλαχε	τοῦ	θυμιᾶσαι,	εἰσελθὼν	εἰς	τὸν
	के-अनुसार	उस	रीति	के	याजकपन	चुना-गया	का	धूप-जलाने	प्रवेश-करके	में	उस
	G2596	G3588	G1485	G3588	G2405	G2975	G3588	G2370	G1525	G1519	G3588

ναὸν	τοῦ	Κυρίου.
मंदिर	के	प्रभु
G3485	G3588	G2962

> तो याजकों में चली आ रही परम्परा के अनुसार पर्ची डालकर उसे चुना गया कि वह प्रभु के मन्दिर में जाकर धूप जलाये।

10	καὶ	πᾶν	τὸ	πλῆθος	ἦν	τοῦ	λαοῦ	προσευχόμενον	ἔξω	τῇ	ὥρᾳ	τοῦ
	और	सारी	वह	भीड़	थी	के	लोगों	प्रार्थना-करती	बाहर	उस	घड़ी	के
	G2532	G3956	G3588	G4128	G1510	G3588	G2992	G4336	G1854	G3588	G5610	G3588

θυμιάματος.
धूप
G2368

> जब धूप जलाने का समय आया तो बाहर इकट्ठे हुए लोग प्रार्थना कर रहे थे।

11	ὤφθη	δὲ	αὐτῷ	ἄγγελος	Κυρίου,	ἑστὼς	ἐκ	δεξιῶν	τοῦ	θυσιαστηρίου
	दिखाई-दिया	और	उसे	स्वर्गदूत	प्रभु-का	खड़ा	से	दाहिने	के	वेदी
	G3708	G1161	G0846	G0032	G2962	G2476	G1537	G1188	G3588	G2379

τοῦ	θυμιάματος.
के	धूप
G3588	G2368

> उसी समय जकरयाह के सामने प्रभु का एक दूत प्रकट हुआ। वह धूप की वेदी के दाहिनी ओर खड़ा था।

12	καὶ	ἐταράχθη	Ζαχαρίας	ἰδών,	καὶ	φόβος	ἐπέπεσεν	ἐπ’	αὐτόν.
	और	घबरा–गया	जकर्याह	देखकर	और	भय	आ–पड़ा	पर	उस
	G2532	G5015	G2197	G3708	G2532	G5401	G1968	G1909	G0846

> जब जकरयाह ने उस दूत को देखा तो वह घबरा गया और भय ने जैसे उसे जकड़ लिया हो।

13	εἶπεν	δὲ	πρὸς	αὐτὸν	ὁ	ἄγγελος,	Μὴ	φοβοῦ,	Ζαχαρία,	διότι	εἰσηκούσθη
	कहा	और	से	उस	उस	स्वर्गदूत–ने	मत	डर	जकर्याह	क्योंकि	सुनी–गई
	G3004	G1161	G4314	G0846	G3588	G0032	G3361	G5399	G2197	G1360	G1522

ἡ	δέησίς	σου,	καὶ	ἡ	γυνή	σου	Ἐλισάβετ	γεννήσει	υἱόν	σοι,	καὶ
वह	प्रार्थना	तेरी	और	वह	पत्नी	तेरी	इलीशिबा	जन्म–देगी	पुत्र	तुझे	और
G3588	G1162	G4771	G2532	G3588	G1135	G4771	G1665	G1080	G5207	G4771	G2532

καλέσεις	τὸ	ὄνομα	αὐτοῦ	Ἰωάννην.
रखेगा	उसका	नाम	उसका	यूहन्ना
G2564	G3588	G3686	G0846	G2491

> फिर प्रभु के दूत ने उससे कहा, “जकरयाह डर मत, तेरी प्रार्थना सुन ली गयी है। इसलिये तेरी पत्नी इलीशिबा एक पुत्र को जन्म देगी, तू उसका नाम यूहन्ना रखना।

14	καὶ	ἔσται	χαρά	σοι	καὶ	ἀγαλλίασις,	καὶ	πολλοὶ	ἐπὶ	τῇ	γενέσει	αὐτοῦ
	और	होगा	आनंद	तुझे	और	उल्लास	और	बहुत–से	पर	उसके	जन्म	उसके
	G2532	G1510	G5479	G4771	G2532	G0020	G2532	G4183	G1909	G3588	G1078	G0846

χαρήσονται;
आनंदित–होंगे
G5463

> वह तुम्हें तो आनन्द और प्रसन्नता देगा ही, साथ ही उसके जन्म से और भी बहुत से लोग प्रसन्न होंगे।

15	ἔσται	γὰρ	μέγας	ἐνώπιον	‹τοῦ›	Κυρίου;	καὶ	οἶνον	καὶ	σίκερα	οὐ	μὴ
	होगा	क्योंकि	महान	सामने	के	प्रभु	और	दाखरस	और	मदिरा	नहीं	कभी
	G1510	G1063	G3173	G1799	G3588	G2962	G2532	G3631	G2532	G4608	G3756	G3361

πίῃ,	καὶ	Πνεύματος	Ἁγίου	πλησθήσεται	ἔτι	ἐκ	κοιλίας	μητρὸς	αὐτοῦ.
पीएगा	और	आत्मा	पवित्र	भर–जाएगा	अभी–से	से	गर्भ	माता	अपनी
G4095	G2532	G4151	G0040	G4130	G2089	G1537	G2836	G3384	G0846

> क्योंकि वह प्रभु की दृष्टि में महान होगा। वह कभी भी किसी दाखरस या किसी भी मदिरा का सेवन नहीं करेगा। अपने जन्म काल से ही वह पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होगा।

16	καὶ	πολλοὺς	τῶν	υἱῶν	Ἰσραὴλ	ἐπιστρέψει	ἐπὶ	Κύριον,	τὸν	Θεὸν	αὐτῶν.
	और	बहुतों–को	में–से	पुत्रों	इस्राएल	फेरेगा	की–ओर	प्रभु	उस	परमेश्वर	उनके
	G2532	G4183	G3588	G5207	G2474	G1994	G1909	G2962	G3588	G2316	G0846

> “वह इस्राएल के बहुत से लोगों को उनके प्रभु परमेश्वर की ओर लौटने को प्रेरित करेगा।

17	καὶ	αὐτὸς	προελεύσεται	ἐνώπιον	αὐτοῦ	ἐν	πνεύματι	καὶ	δυνάμει	Ἠλίου,
	और	वह	आगे–चलेगा	सामने	उसके	में	आत्मा	और	सामर्थ्य	एलिय्याह
	G2532	G0846	G4281	G1799	G0846	G1722	G4151	G2532	G1411	G2243

ἐπιστρέψαι	καρδίας	πατέρων	ἐπὶ	τέκνα,	καὶ	ἀπειθεῖς	ἐν	φρονήσει
फेरने–को	हृदय	पिताओं–के	की–ओर	संतानों	और	आज्ञा–न–माननेवालों–को	में	बुद्धि
G1994	G2588	G3962	G1909	G5043	G2532	G0545	G1722	G5428

δικαίων,	ἑτοιμάσαι	Κυρίῳ	λαὸν	κατεσκευασμένον.
धर्मियों	तैयार–करने–को	प्रभु–के–लिए	लोग	सुसज्जित
G1342	G2090	G2962	G2992	G2680

> वह एलिय्याह की शक्ति और आत्मा में स्थित हो प्रभु के आगे आगे चलेगा। वह पिताओं का हृदय उनकी संतानों की ओर वापस मोड़ देगा और वह आज्ञा ना मानने वालों को ऐसे विचारों की ओर प्रेरित करेगा जिससे वे धर्मियों के जैसे विचार रखें। यह सब, वह लोगों को प्रभु की खातिर तैयार करने के लिए करेगा।”

18	καὶ	εἶπεν	Ζαχαρίας	πρὸς	τὸν	ἄγγελον,	Κατὰ	τί	γνώσομαι	τοῦτο?	ἐγὼ
	और	कहा	जकर्याह-ने	से	उस	स्वर्गदूत	किस-से	क्या	जानूंगा	यह	मैं
	G2532	G3004	G2197	G4314	G3588	G0032	G2596	G5101	G1097	G3778	G1473

γάρ	εἰμι	πρεσβύτης,	καὶ	ἡ	γυνή	μου	προβεβηκυῖα	ἐν	ταῖς	ἡμέραις
क्योंकि	हूं	बूढ़ा	और	वह	पत्नी	मेरी	बढ़ी-हुई	में	अपने	दिनों
G1063	G1510	G4246	G2532	G3588	G1135	G1473	G4260	G1722	G3588	G2250

αὐτῆς.
अपने
G0846

> तब जकरयाह ने प्रभु के दूत से कहा, “मैं यह कैसे जानूँ कि यह सच है? क्योंकि मैं एक बूढ़ा आदमी हूँ और मेरी पत्नी भी बूढ़ी हो गई है।”

19	καὶ	ἀποκριθεὶς,	ὁ	ἄγγελος	εἶπεν	αὐτῷ,	Ἐγώ	εἰμι	Γαβριὴλ,	ὁ
	और	उत्तर-देकर	उस	स्वर्गदूत-ने	कहा	उससे	मैं	हूं	जिब्राईल	जो
	G2532	G0611	G3588	G0032	G3004	G0846	G1473	G1510	G1043	G3588

παρεστηκὼς	ἐνώπιον	τοῦ	Θεοῦ,	καὶ	ἀπεστάλην	λαλῆσαι	πρὸς	σὲ,	καὶ
खड़ा-रहता	सामने	के	परमेश्वर	और	भेजा-गया	बोलने	से	तुझ	और
G3936	G1799	G3588	G2316	G2532	G0649	G2980	G4314	G4771	G2532

εὐαγγελίσασθαί	σοι	ταῦτα.
सुसमाचार-सुनाने	तुझे	ये-बातें
G2097	G4771	G3778

> तब प्रभु के दूत ने उत्तर देते हुए उससे कहा, “मैं जिब्राईल हूँ। मैं वह हूँ जो परमेश्वर के सामने खड़ा रहता हूँ। मुझे तुझ से बात करने और इस सुसमाचार को बताने को भेजा गया है।

20	καὶ	ἰδοὺ,	ἔσῃ	σιωπῶν,	καὶ	μὴ	δυνάμενος	λαλῆσαι	ἄχρι	ἧς	ἡμέρας
	और	देख	रहेगा	चुप	और	नहीं	समर्थ	बोलने	तक	जिस	दिन
	G2532	G3708	G1510	G4623	G2532	G3361	G1410	G2980	G0891	G3739	G2250

γένηται	ταῦτα,	ἀνθ’	ὧν	οὐκ	ἐπίστευσας	τοῖς	λόγοις	μου,	οἵτινες
हों	ये-बातें	के-बदले	जिसके	नहीं	विश्वास-किया	उन	बातों-पर	मेरी	जो
G1096	G3778	G0473	G3739	G3756	G4100	G3588	G3056	G1473	G3748

πληρωθήσονται	εἰς	τὸν	καιρὸν	αὐτῶν.
पूरी-होंगी	पर	उस	समय	अपने
G4137	G1519	G3588	G2540	G0846

> किन्तु देख! क्योंकि तूने मेरे शब्दों पर, जो निश्चित समय आने पर सत्य सिद्ध होंगे, विश्वास नहीं किया, इसलिये तू गूँगा हो जायेगा और उस दिन तक नहीं बोल पायेगा जब तक यह पूरा न हो ले।”

21	καὶ	ἦν	ὁ	λαὸς	προσδοκῶν	τὸν	Ζαχαρίαν,	καὶ	ἐθαύμαζον	ἐν	τῷ
	और	थे	वे	लोग	प्रतीक्षा-करते	उस	जकर्याह-की	और	आश्चर्य-करते-थे	में	उसके
	G2532	G1510	G3588	G2992	G4328	G3588	G2197	G2532	G2296	G1722	G3588

χρονίζειν	ἐν	τῷ	ναῷ	αὐτόν.
देर-लगाने	में	उस	मंदिर	उसके
G5549	G1722	G3588	G3485	G0846

> उधर बाहर लोग जकरयाह की प्रतीक्षा कर रहे थे। उन्हें अचरज हो रहा था कि वह इतनी देर मन्दिर में क्यों रुका हुआ है।

22

ἐξελθὼν	δὲ,	οὐκ	ἐδύνατο	λαλῆσαι	αὐτοῖς,	καὶ	ἐπέγνωσαν	ὅτι	ὀπτασίαν
निकलकर	और	नहीं	सका	बोल	उनसे	और	जान–गए	कि	दर्शन
G1831	G1161	G3756	G1410	G2980	G0846	G2532	G1921	G3754	G3701

ἑώρακεν	ἐν	τῷ	ναῷ.	καὶ	αὐτὸς	ἦν	διανεύων	αὐτοῖς,	καὶ	διέμενεν
देखा	में	उस	मंदिर	और	वह	था	संकेत–करता	उन्हें	और	रहा
G3708	G1722	G3588	G3485	G2532	G0846	G1510	G1269	G0846	G2532	G1265

κωφός.
गूंगा
G2974

> फिर जब वह बाहर आया तो उनसे बोल नहीं पा रहा था। उन्हें लगा जैसे मन्दिर के भीतर उसे कोई दर्शन हुआ है। वह गूँगा हो गया था और केवल संकेत कर रहा था।

23

καὶ	ἐγένετο,	ὡς	ἐπλήσθησαν	αἱ	ἡμέραι	τῆς	λειτουργίας	αὐτοῦ,	ἀπῆλθεν
और	हुआ	जब	पूरे–हो–गए	वे	दिन	के	सेवा	उसकी	चला–गया
G2532	G1096	G5613	G4130	G3588	G2250	G3588	G3009	G0846	G0565

εἰς	τὸν	οἶκον	αὐτοῦ.
को	अपने	घर	अपने
G1519	G3588	G3624	G0846

> और फिर ऐसा हुआ कि जब उसका उपासना का समय पूरा हो गया तो वह वापस अपने घर लौट गया।

24

Μετὰ	δὲ	ταύτας	τὰς	ἡμέρας	συνέλαβεν	Ἐλισάβετ	ἡ	γυνὴ	αὐτοῦ,	καὶ
बाद	और	इन	उन	दिनों	गर्भवती–हुई	इलीशिबा	वह	पत्नी	उसकी	और
G3326	G1161	G3778	G3588	G2250	G4815	G1665	G3588	G1135	G0846	G2532

περιέκρυβεν	ἑαυτὴν	μῆνας	πέντε,	λέγουσα,
छिपी–रही	अपने–आप–को	महीने	पांच	कहती–हुई
G4032	G1438	G3376	G4002	G3004

> थोड़े दिनों बाद उसकी पत्नी इलीशिबा गर्भवती हुई। पाँच महीने तक वह सबसे अलग थलग रही। उसने कहा,

25

ὅτι	Οὕτως	μοι	πεποίηκεν	Κύριος,	ἐν	ἡμέραις	αἷς	ἐπεῖδεν,	ἀφελεῖν
कि	ऐसा	मुझ–से	किया	प्रभु–ने	में	दिनों	जिनमें	देखा	उठाने–को
G3754	G3779	G1473	G4160	G2962	G1722	G2250	G3739	G1896	G0851

ὄνειδός	μου	ἐν	ἀνθρώποις.
अपमान	मेरा	में	मनुष्यों
G3681	G1473	G1722	G0444

> “अब अन्त में जाकर इस प्रकार प्रभु ने मेरी सहायता की है। लोगों के बीच मेरी लाज रखने को उसने मेरी सुधि ली।”

26

Ἐν	δὲ	τῷ	μηνὶ	τῷ	ἕκτῳ,	ἀπεστάλη	ὁ	ἄγγελος	Γαβριὴλ	ἀπὸ	τοῦ
में	और	उस	महीने	उस	छठे	भेजा–गया	वह	स्वर्गदूत	जिब्राईल	से	के
G1722	G1161	G3588	G3376	G3588	G1623	G0649	G3588	G0032	G1043	G0575	G3588

Θεοῦ	εἰς	πόλιν	τῆς	Γαλιλαίας,	ᾗ	ὄνομα	Ναζαρὲθ,
परमेश्वर	को	नगर	के	गलील	जिसका	नाम	नासरत
G2316	G1519	G4172	G3588	G1056	G3739	G3686	G3478

> इलीशिबा को जब छठा महीना चल रहा था, गलील के एक नगर नासरत में परमेश्वर द्वारा स्वर्गदूत जिब्राईल को एक कुँवारी के पास भेजा गया जिसकी यूसुफ़ नाम के एक व्यक्ति से सगाई हो चुकी थी। वह दाऊद का वंशज था। और उस कुँवारी का नाम मरियम था।

27

πρὸς	παρθένον	ἐμνηστευμένην	ἀνδρὶ,	ᾧ	ὄνομα	Ἰωσὴφ,	ἐξ	οἴκου	Δαυὶδ;
पास	कुंवारी	मंगनी-हुई	पुरुष-से	जिसका	नाम	यूसुफ	से	घराने	दाऊद
G4314	G3933	G3423	G0435	G3739	G3686	G2501	G1537	G3624	G1138

καὶ	τὸ	ὄνομα	τῆς	παρθένου	Μαριάμ.
और	उस	नाम	के	कुंवारी	मरियम
G2532	G3588	G3686	G3588	G3933	G3137

> इलीशिबा को जब छठा महीना चल रहा था, गलील के एक नगर नासरत में परमेश्वर द्वारा स्वर्गदूत जिब्राईल को एक कुँवारी के पास भेजा गया जिसकी यूसुफ़ नाम के एक व्यक्ति से सगाई हो चुकी थी। वह दाऊद का वंशज था। और उस कुँवारी का नाम मरियम था।

28

καὶ	εἰσελθὼν	πρὸς	αὐτὴν,	εἶπεν,	Χαῖρε,	κεχαριτωμένη!	ὁ	Κύριος	μετὰ	σοῦ.
और	प्रवेश-करके	पास	उसके	कहा	प्रणाम	अनुग्रह-पाई	वह	प्रभु	साथ	तेरे
G2532	G1525	G4314	G0846	G3004	G5463	G5487	G3588	G2962	G3326	G4771

<εὐλογημένη	σὺ	ἐν	γυναιξίν>
धन्य	तू	में	स्त्रियों
G2127	G4771	G1722	G1135

> जिब्राईल उसके पास आया और बोला, "तुझ पर अनुग्रह हुआ है, तेरी जय हो। प्रभु तेरे साथ है।"

29

ἡ	δὲ	ἐπὶ	τῷ	λόγῳ	διεταράχθη,	καὶ	διελογίζετο	ποταπὸς	εἴη	ὁ
वह	और	पर	इस	बात	घबरा-गई	और	सोचती-थी	कैसा	होगा	यह
G3588	G1161	G1909	G3588	G3056	G1298	G2532	G1260	G4217	G1510	G3588

ἀσπασμὸς	οὗτος.
अभिवादन	यह
G0783	G3778

> यह वचन सुन कर वह बहुत घबरा गयी, वह सोच में पड़ गयी कि इस अभिवादन का अर्थ क्या हो सकता है?

30

καὶ	εἶπεν	ὁ	ἄγγελος	αὐτῇ,	Μὴ	φοβοῦ,	Μαριάμ;	εὗρες	γὰρ	χάριν	παρὰ
और	कहा	उस	स्वर्गदूत-ने	उससे	मत	डर	मरियम	पाया	क्योंकि	अनुग्रह	से
G2532	G3004	G3588	G0032	G0846	G3361	G5399	G3137	G2147	G1063	G5485	G3844

τῷ	Θεῷ;
उस	परमेश्वर
G3588	G2316

> तब स्वर्गदूत ने उससे कहा, "मरियम, डर मत, तुझ से परमेश्वर प्रसन्न है।

31

καὶ	ἰδοὺ,	συλλήμψῃ	ἐν	γαστρὶ,	καὶ	τέξῃ	υἱόν,	καὶ	καλέσεις	τὸ
और	देख	गर्भवती-होगी	में	गर्भ	और	जन्म-देगी	पुत्र	और	रखेगी	उसका
G2532	G3708	G4815	G1722	G1064	G2532	G5088	G5207	G2532	G2564	G3588

ὄνομα	αὐτοῦ	Ἰησοῦν.
नाम	उसका	यीशु
G3686	G0846	G2424

> सुन! तू गर्भवती होगी और एक पुत्र को जन्म देगी और तू उसका नाम यीशु रखेगी।

32

οὗτος	ἔσται	μέγας,	καὶ	Υἱὸς	Ὑψίστου	κληθήσεται;	καὶ	δώσει	αὐτῷ	Κύριος
यह	होगा	महान	और	पुत्र	परमप्रधान-का	कहलाएगा	और	देगा	उसे	प्रभु
G3778	G1510	G3173	G2532	G5207	G5310	G2564	G2532	G1325	G0846	G2962

ὁ	Θεὸς	τὸν	θρόνον	Δαυὶδ,	τοῦ	πατρὸς	αὐτοῦ;
वह	परमेश्वर	वह	सिंहासन	दाऊद	के	पिता	उसके
G3588	G2316	G3588	G2362	G1138	G3588	G3962	G0846

> वह महान होगा और वह परमप्रधान का पुत्र कहलायेगा। और प्रभु परमेश्वर उसे उसके पिता दाऊद का सिंहासन प्रदान करेगा।

33										
καὶ	βασιλεύσει	ἐπὶ	τὸν	οἶκον	Ἰακὼβ,	εἰς	τοὺς	αἰῶνας;	καὶ	τῆς
और	राज्य-करेगा	पर	उस	घराने	याकूब	तक	उन	युगों	और	के
G2532	G0936	G1909	G3588	G3624	G2384	G1519	G3588	G0165	G2532	G3588

βασιλείας	αὐτοῦ,	οὐκ	ἔσται	τέλος.
राज्य	उसके	नहीं	होगा	अंत
G0932	G0846	G3756	G1510	G5056

> वह अनन्त काल तक याकूब के घराने पर राज करेगा तथा उसके राज्य का अंत कभी नहीं होगा।”

34											
εἶπεν	δὲ	Μαριὰμ	πρὸς	τὸν	ἄγγελον,	Πῶς	ἔσται	τοῦτο,	ἐπεὶ	ἄνδρα	οὐ
कहा	और	मरियम-ने	से	उस	स्वर्गदूत	कैसे	होगा	यह	क्योंकि	पुरुष	नहीं
G3004	G1161	G3137	G4314	G3588	G0032	G4459	G1510	G3778	G1893	G0435	G3756

γινώσκω?
जानती
G1097

> इस पर मरियम ने स्वर्गदूत से कहा, “यह सत्य कैसे हो सकता है? क्योंकि मैं तो अभी कुँवारी हूँ!”

35										
καὶ	ἀποκριθεὶς,	ὁ	ἄγγελος	εἶπεν	αὐτῇ,	Πνεῦμα	Ἅγιον	ἐπελεύσεται	ἐπὶ
और	उत्तर-देकर	उस	स्वर्गदूत-ने	कहा	उससे	आत्मा	पवित्र	आएगा	पर
G2532	G0611	G3588	G0032	G3004	G0846	G4151	G0040	G1904	G1909

σέ,	καὶ	δύναμις	Ὑψίστου	ἐπισκιάσει	σοι;	διὸ	καὶ	τὸ	γεννώμενον	ἅγιον
तुझ	और	सामर्थ्य	परमप्रधान-की	छाया-करेगी	तुझ-पर	इसलिए	भी	वह	जन्मा	पवित्र
G4771	G2532	G1411	G5310	G1982	G4771	G1352	G2532	G3588	G1080	G0040

κληθήσεται	Υἱὸς	Θεοῦ.
कहलाएगा	पुत्र	परमेश्वर-का
G2564	G5207	G2316

> उत्तर में स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तेरे पास पवित्र आत्मा आयेगा और परमप्रधान की शक्ति तुझे अपनी छाया में ले लेगी। इस प्रकार वह जन्म लेने वाला पवित्र बालक परमेश्वर का पुत्र कहलायेगा।

36										
καὶ	ἰδοὺ,	Ἐλισάβετ,	ἡ	συγγενίς	σου,	καὶ	αὐτὴ	συνείληφεν	υἱὸν	ἐν
और	देख	इलीशिबा	वह	रिश्तेदार	तेरी	भी	वह	गर्भवती-है	पुत्र	में
G2532	G3708	G1665	G3588	G4773	G4771	G2532	G0846	G4815	G5207	G1722

γήρει	αὐτῆς,	καὶ	οὗτος	μὴν	ἕκτος	ἐστὶν	αὐτῇ	τῇ	καλουμένῃ	στείρᾳ.
बुढ़ापे	अपने	और	यह	महीना	छठा	है	उसका	उस	कहलाती	बांझ
G1094	G0846	G2532	G3778	G3376	G1623	G1510	G0846	G3588	G2564	G4723

> और यह भी सुन कि तेरे ही कुनबे की इलीशिबा के गर्भ में भी बुढापे में एक पुत्र है और उसके गर्भ का यह छठा महीना है। लोग कहते थे कि वह बाँझ है।

37							
ὅτι	οὐκ	ἀδυνατήσει	παρὰ	τοῦ	Θεοῦ	πᾶν	ῥῆμα.
क्योंकि	नहीं	असंभव-होगा	से	के	परमेश्वर	कोई	बात
G3754	G3756	G0101	G3844	G3588	G2316	G3956	G4487

> किन्तु परमेश्वर के लिए कुछ भी असम्भव नहीं।”

38										
εἶπεν	δὲ	Μαριάμ,	Ἰδοὺ,	ἡ	δούλη	Κυρίου;	γένοιτό	μοι	κατὰ	τὸ
कहा	और	मरियम-ने	देख	वह	दासी	प्रभु-की	हो	मुझे	के-अनुसार	उस
G3004	G1161	G3137	G3708	G3588	G1399	G2962	G1096	G1473	G2596	G3588

ῥῆμά	σου.	καὶ	ἀπῆλθεν	ἀπ’	αὐτῆς	ὁ	ἄγγελος.
वचन	तेरे	और	चला-गया	से	उसके-पास-से	वह	स्वर्गदूत
G4487	G4771	G2532	G0565	G0575	G0846	G3588	G0032

> मरियम ने कहा, “मैं प्रभु की दासी हूँ। जैसा तूने मेरे लिये कहा है, वैसा ही हो!” और तब वह स्वर्गदूत उसके पास से चला गया।

39	Ἀναστᾶσα	δὲ,	Μαριὰμ	ἐν	ταῖς	ἡμέραις	ταύταις,	ἐπορεύθη	εἰς	τὴν
	उठकर	और	मरियम	में	उन	दिनों	इन	गई	को	उस
	G0450	G1161	G3137	G1722	G3588	G2250	G3778	G4198	G1519	G3588

ὀρεινὴν	μετὰ	σπουδῆς,	εἰς	πόλιν	Ἰούδα,
पहाड़ी	साथ	जल्दी	को	नगर	यहूदा
G3714	G3326	G4710	G1519	G4172	G2448

> उन्हीं दिनों मरियम तैयार होकर तुरन्त यहूदिया के पहाड़ी प्रदेश में स्थित एक नगर को चल दी।

40	καὶ	εἰσῆλθεν	εἰς	τὸν	οἶκον	Ζαχαρίου,	καὶ	ἠσπάσατο	τὴν	Ἐλισάβετ.
	और	प्रवेश-की	में	उस	घर	जकर्याह-के	और	नमस्कार-किया	उस	इलीशिबा-को
	G2532	G1525	G1519	G3588	G3624	G2197	G2532	G0782	G3588	G1665

> फिर वह जकरयाह के घर पहुँची और उसने इलीशिबा को अभिवादन किया।

41	καὶ	ἐγένετο,	ὡς	ἤκουσεν	τὸν	ἀσπασμὸν	τῆς	Μαρίας	ἡ	Ἐλισάβετ,
	और	हुआ	जब	सुना	वह	अभिवादन	का	मरियम	उस	इलीशिबा-ने
	G2532	G1096	G5613	G0191	G3588	G0783	G3588	G3137	G3588	G1665

ἐσκίρτησεν	τὸ	βρέφος	ἐν	τῇ	κοιλίᾳ	αὐτῆς;	καὶ	ἐπλήσθη	Πνεύματος
उछला	वह	बालक	में	उसके	गर्भ	उसके	और	भर-गई	आत्मा
G4640	G3588	G1025	G1722	G3588	G2836	G0846	G2532	G4130	G4151

Ἁγίου	ἡ	Ἐλισάβετ,
पवित्र	वह	इलीशिबा
G0040	G3588	G1665

> हुआ यह कि जब इलीशिबा ने मरियम का अभिवादन सुना तो जो बच्चा उसके पेट में था, उछल पड़ा और इलीशिबा पवित्र आत्मा से अभिभूत हो उठी।

42	καὶ	ἀνεφώνησεν	κραυγῇ	μεγάλῃ,	καὶ	εἶπεν,	Εὐλογημένη	σὺ	ἐν	γυναιξίν,
	और	पुकार-उठी	चिल्लाहट	बड़ी	और	कहा	धन्य	तू	में	स्त्रियों
	G2532	G0400	G2906	G3173	G2532	G3004	G2127	G4771	G1722	G1135

καὶ	εὐλογημένος	ὁ	καρπὸς	τῆς	κοιλίας	σου.
और	धन्य	वह	फल	के	गर्भ	तेरे
G2532	G2127	G3588	G2590	G3588	G2836	G4771

> ऊँची आवाज में पुकारते हुए वह बोली, “तू सभी स्त्रियों में सबसे अधिक भाग्यशाली है और जिस बच्चे को तू जन्म देगी, वह धन्य है।

43	καὶ	πόθεν	μοι	τοῦτο,	ἵνα	ἔλθῃ	ἡ	μήτηρ	τοῦ	Κυρίου	μου	πρὸς	ἐμέ?
	और	कहां-से	मुझे	यह	कि	आए	वह	माता	के	प्रभु	मेरे	पास	मेरे
	G2532	G4159	G1473	G3778	G2443	G2064	G3588	G3384	G3588	G2962	G1473	G4314	G1473

> किन्तु यह इतनी बड़ी बात मेरे साथ क्यों घटी कि मेरे प्रभु की माँ मेरे पास आयी!

44	ἰδοὺ	γὰρ,	ὡς	ἐγένετο	ἡ	φωνὴ	τοῦ	ἀσπασμοῦ	σου	εἰς	τὰ	ὦτά
	देख	क्योंकि	जैसे	पहुंची	वह	आवाज	की	अभिवादन	तेरे	में	उन	कानों
	G3708	G1063	G5613	G1096	G3588	G5456	G3588	G0783	G4771	G1519	G3588	G3775

μου,	ἐσκίρτησεν	ἐν	ἀγαλλιάσει	τὸ	βρέφος	ἐν	τῇ	κοιλίᾳ	μου;
मेरे	उछला	में	आनंद	वह	बालक	में	उस	गर्भ	मेरे
G1473	G4640	G1722	G0020	G3588	G1025	G1722	G3588	G2836	G1473

> क्योंकि तेरे अभिवादन का शब्द जैसे ही मेरे कानों में पहुँचा, मेरे पेट में बच्चा खुशी से उछल पड़ा।

45	καὶ	μακαρία	ἡ	πιστεύσασα,	ὅτι	ἔσται	τελείωσις	τοῖς	λελαλημένοις	αὐτῇ
	और	धन्य	वह	विश्वास-करनेवाली	क्योंकि	होगी	पूर्णता	उन	कही-गई	उससे
	G2532	G3107	G3588	G4100	G3754	G1510	G5050	G3588	G2980	G0846
	παρὰ	Κυρίου.								
	से	प्रभु								
	G3844	G2962								

> तू धन्य है, जिसने यह विश्वास किया कि प्रभु ने जो कुछ कहा है वह हो कर रहेगा।”

46	Καὶ	εἶπεν	Μαριάμ,	Μεγαλύνει	ἡ	ψυχή	μου	τὸν	Κύριον,
	और	कहा	मरियम-ने	महिमा-करती-है	वह	प्राण	मेरा	उस	प्रभु-की
	G2532	G3004	G3137	G3170	G3588	G5590	G1473	G3588	G2962

> तब मरियम ने कहा,

47	καὶ	ἠγαλλίασεν	τὸ	πνεῦμά	μου	ἐπὶ	τῷ	Θεῷ,	τῷ	Σωτῆρί	μου.
	और	मगन-हुआ	वह	आत्मा	मेरी	पर	उस	परमेश्वर	उस	उद्धारकर्ता	मेरे
	G2532	G0021	G3588	G4151	G1473	G1909	G3588	G2316	G3588	G4990	G1473

> “मेरी आत्मा प्रभु की स्तुति करती है; मेरी आत्मा मेरे रखवाले परमेश्वर में आनन्दित है।

48	ὅτι	ἐπέβλεψεν	ἐπὶ	τὴν	ταπείνωσιν	τῆς	δούλης	αὐτοῦ;	ἰδοὺ	γὰρ,	ἀπὸ
	क्योंकि	देखा	पर	उस	दीनता	की	दासी	अपनी	देखो	क्योंकि	से
	G3754	G1914	G1909	G3588	G5014	G3588	G1399	G0846	G3708	G1063	G0575
	τοῦ	νῦν	μακαριοῦσίν	με	πᾶσαι	αἱ	γενεαί.				
	के	अब	धन्य-कहेंगी	मुझे	सब	वे	पीढ़ियां				
	G3588	G3568	G3106	G1473	G3956	G3588	G1074				

> उसने अपनी दीन दासी की सुधि ली, हाँ आज के बाद सभी मुझे धन्य कहेंगे।

49	ὅτι	ἐποίησέν	μοι	μεγάλα	ὁ	δυνατός,	καὶ	ἅγιον	τὸ	ὄνομα	αὐτοῦ.
	क्योंकि	किया	मेरे-लिए	बड़े-काम	उस	सामर्थी-ने	और	पवित्र	उसका	नाम	उसका
	G3754	G4160	G1473	G3173	G3588	G1415	G2532	G0040	G3588	G3686	G0846

> क्योंकि उस शक्तिशाली ने मेरे लिये महान कार्य किये। उसका नाम पवित्र है।

50	καὶ	τὸ	ἔλεος	αὐτοῦ	εἰς	γενεὰς	καὶ	γενεὰς,	τοῖς	φοβουμένοις	αὐτόν.
	और	उसकी	दया	उसकी	तक	पीढ़ियों	और	पीढ़ियों	उन-पर	डरनेवालों	उससे
	G2532	G3588	G1656	G0846	G1519	G1074	G2532	G1074	G3588	G5399	G0846

> जो उससे डरते हैं वह उन पर पीढ़ी दर पीढ़ी दया करता है।

51	Ἐποίησεν	κράτος	ἐν	βραχίονι	αὐτοῦ,	διεσκόρπισεν	ὑπερηφάνους	διανοίᾳ
	किया	सामर्थ्य	से	भुजा	अपनी	तितर-बितर-किया	घमंडियों-को	सोच
	G4160	G2904	G1722	G1023	G0846	G1287	G5244	G1271
	καρδίας	αὐτῶν.						
	हृदय	उनके						
	G2588	G0846						

> उसने अपने हाथों की शक्ति दिखाई। उसने अहंकारी लोगों को उनके अभिमानपूर्ण विचारों के साथ तितर-बितर कर दिया।

52	καθεῖλεν	δυνάστας	ἀπὸ	θρόνων,	καὶ	ὕψωσεν	ταπεινούς.
	उतारा	अधिकारियों-को	से	सिंहासनों	और	ऊंचा-किया	दीनों-को
	G2507	G1413	G0575	G2362	G2532	G5312	G5011

> उसने सम्राटों को उनके सिंहासनों से नीचे उतार दिया। और उसने विनम्र लोगों को ऊँचा उठाया।

53	πεινῶντας	ἐνέπλησεν	ἀγαθῶν,	καὶ	πλουτοῦντας	ἐξαπέστειλεν	κενούς.
	भूखों-को	भर-दिया	अच्छी-वस्तुओं-से	और	धनवानों-को	भेज-दिया	खाली
	G3983	G1705	G0018	G2532	G4147	G1821	G2756

> उसने भूखे लोगों को अच्छी वस्तुओं से भरपूर कर दिया, और धनी लोगों को खाली हाथों लौटा दिया।

54	ἀντελάβετο	Ἰσραὴλ	παιδὸς	αὐτοῦ,	μνησθῆναι	ἐλέους,
	सहायता-की	इस्राएल	दास	अपने	स्मरण-करने-को	दया
	G0482	G2474	G3816	G0846	G3403	G1656

> वह अपने दास इस्राएल की सहायता करने आया हमारे पुरखों को दिये वचन के अनुसार

55	καθὼς	ἐλάλησεν	πρὸς	τοὺς	πατέρας	ἡμῶν,	τῷ	Ἀβραὰμ	καὶ	τῷ	σπέρματι
	जैसा	कहा-था	से	उन	पिताओं	हमारे	से	अब्राहम	और	से	वंश
	G2531	G2980	G4314	G3588	G3962	G1473	G3588	G0011	G2532	G3588	G4690

αὐτοῦ,	εἰς	τὸν	αἰῶνα.
उसके	तक	उस	युग
G0846	G1519	G3588	G0165

> उसे इब्राहीम और उसके वंशजों पर सदा सदा दया दिखाने की याद रही।"

56	Ἔμεινεν	δὲ	Μαριὰμ	σὺν	αὐτῇ	ὡς	μῆνας	τρεῖς,	καὶ	ὑπέστρεψεν	εἰς
	रही	और	मरियम	साथ	उसके	लगभग	महीने	तीन	और	लौट-गई	को
	G3306	G1161	G3137	G4862	G0846	G5613	G3376	G5140	G2532	G5290	G1519

τὸν	οἶκον	αὐτῆς.
अपने	घर	अपने
G3588	G3624	G0846

> मरियम लगभग तीन महीने तक इलीशिबा के साथ ठहरी और फिर अपने घर लौट आयी।

57	Τῇ	δὲ	Ἐλισάβετ	ἐπλήσθη	ὁ	χρόνος,	τοῦ	τεκεῖν	αὐτήν,	καὶ	ἐγέννησεν
	और	तब	इलीशिबा-का	पूरा-हो-गया	वह	समय	का	जनने	उसके	और	जन्म-दिया
	G3588	G1161	G1665	G4130	G3588	G5550	G3588	G5088	G0846	G2532	G1080

υἱόν.
पुत्र
G5207

> फिर इलीशिबा का बच्चे को जन्म देने का समय आया और उसके घर एक पुत्र पैदा हुआ।

58	καὶ	ἤκουσαν	οἱ	περίοικοι	καὶ	οἱ	συγγενεῖς	αὐτῆς,	ὅτι	ἐμεγάλυνεν
	और	सुना	उन	पड़ोसियों-ने	और	उन	रिश्तेदारों-ने	उसके	कि	बड़ी-की
	G2532	G0191	G3588	G4040	G2532	G3588	G4773	G0846	G3754	G3170

Κύριος	τὸ	ἔλεος	αὐτοῦ	μετ’	αὐτῆς,	καὶ	συνέχαιρον	αὐτῇ.
प्रभु-ने	अपनी	दया	अपनी	साथ	उसके	और	आनंद-मनाया	उसके-साथ
G2962	G3588	G1656	G0846	G3326	G0846	G2532	G4796	G0846

> जब उसके पड़ोसियों और उसके परिवार के लोगों ने सुना कि प्रभु ने उस पर दया दर्शायी है तो सबने उसके साथ मिल कर हर्ष मनाया।

59	Καὶ	ἐγένετο	ἐν	τῇ	ἡμέρᾳ	τῇ	ὀγδόῃ,	ἦλθον	περιτεμεῖν	τὸ	παιδίον,
	और	हुआ	पर	उस	दिन	उस	आठवें	आए	खतना-करने	उस	बालक-का
	G2532	G1096	G1722	G3588	G2250	G3588	G3590	G2064	G4059	G3588	G3813

καὶ	ἐκάλουν	αὐτὸ	ἐπὶ	τῷ	ὀνόματι	τοῦ	πατρὸς	αὐτοῦ,	Ζαχαρίαν.
और	बुलाते-थे	उसे	पर	उस	नाम	के	पिता	उसके	जकर्याह
G2532	G2564	G0846	G1909	G3588	G3686	G3588	G3962	G0846	G2197

> और फिर ऐसा हुआ कि आठवें दिन बालक का ख़तना करने के लिए लोग वहाँ आये। वे उसके पिता के नाम के अनुसार उसका नाम जकरयाह रखने जा रहे थे,

60	καὶ	ἀποκριθεῖσα,	ἡ	μήτηρ	αὐτοῦ	εἶπεν,	Οὐχί	ἀλλὰ;	κληθήσεται	Ἰωάννης.
	और	उत्तर-देकर	उसकी	माता-ने	उसकी	कहा	नहीं	बल्कि	रखा-जाएगा	यूहन्ना
	G2532	G0611	G3588	G3384	G0846	G3004	G3780	G0235	G2564	G2491

> तभी उसकी माँ बोल उठी, “नहीं, इसका नाम तो यूहन्ना रखा जाना है।”

61	καὶ	εἶπαν	πρὸς	αὐτὴν,	ὅτι	Οὐδείς	ἐστιν	ἐκ	τῆς	συγγενείας	σου,	ὃς
	और	कहा	से	उससे	कि	कोई-नहीं	है	से	के	रिश्तेदारों	तेरे	जो
	G2532	G3004	G4314	G0846	G3754	G3762	G1510	G1537	G3588	G4772	G4771	G3739

καλεῖται	τῷ	ὀνόματι	τούτῳ.
कहलाता-हो	इस	नाम	इस
G2564	G3588	G3686	G3778

> तब वे उससे बोले, “तुम्हारे किसी भी सम्बन्धी का यह नाम नहीं है।”

62	ἐνένευον	δὲ	τῷ	πατρὶ	αὐτοῦ,	τὸ	τί	ἂν	θέλοι	καλεῖσθαι	αὐτό.
	संकेत-करते-थे	और	से	पिता	उसके	कि	क्या	कभी	चाहेगा	रखा-जाना	इसका
	G1770	G1161	G3588	G3962	G0846	G3588	G5101	G0302	G2309	G2564	G0846

> और फिर उन्होंने संकेतों में उसके पिता से पूछा कि वह उसे क्या नाम देना चाहता है?

63	καὶ	αἰτήσας	πινακίδιον,	ἔγραψεν,	λέγων,	Ἰωάννης	ἐστὶν	ὄνομα	αὐτοῦ.	καὶ
	और	मांगकर	तख्ती	लिखा	कहते-हुए	यूहन्ना	है	नाम	उसका	और
	G2532	G0154	G4093	G1125	G3004	G2491	G1510	G3686	G0846	G2532

ἐθαύμασαν	πάντες.
आश्चर्य-किया	सब-ने
G2296	G3956

> इस पर जकरयाह ने उनसे लिखने के लिये एक तख्ती माँगी और लिखा, “इसका नाम है यूहन्ना।” इस पर वे सब अचरज में पड़ गये।

64	ἀνεῴχθη	δὲ	τὸ	στόμα	αὐτοῦ	παραχρῆμα,	καὶ	ἡ	γλῶσσα	αὐτοῦ,	καὶ
	खुल-गया	और	उसका	मुंह	उसका	तुरंत	और	उसकी	जीभ	उसकी	और
	G0455	G1161	G3588	G4750	G0846	G3916	G2532	G3588	G1100	G0846	G2532

ἐλάλει,	εὐλογῶν	τὸν	Θεόν.
बोलता-था	धन्यवाद-देता	उस	परमेश्वर-को
G2980	G2127	G3588	G2316

> तभी तत्काल उसका मुँह खुल गया और उसकी वाणी फूट पड़ी। वह बोलने लगा और परमेश्वर की स्तुति करने लगा।

65	Καὶ	ἐγένετο	ἐπὶ	πάντας	φόβος,	τοὺς	περιοικοῦντας	αὐτούς;	καὶ	ἐν	ὅλῃ
	और	आ-गया	पर	सब-पर	भय	उन	आस-पास-रहनेवालों	उनके	और	में	सारे
	G2532	G1096	G1909	G3956	G5401	G3588	G4039	G0846	G2532	G1722	G3650

τῇ	ὀρεινῇ	τῆς	Ἰουδαίας	διελαλεῖτο	πάντα	τὰ,	ῥήματα	ταῦτα.
उस	पहाड़ी-प्रदेश	के	यहूदिया	चर्चा-होती-थी	सब	इन	बातों	इन
G3588	G3714	G3588	G2449	G1255	G3956	G3588	G4487	G3778

> इससे सभी पड़ोसी डर गये और यहूदिया के सारे पहाड़ी क्षेत्र में लोगों में इन सब बातों की चर्चा होने लगी।

66	καὶ	ἔθεντο	πάντες	οἱ	ἀκούσαντες,	ἐν	τῇ	καρδίᾳ	αὐτῶν,	λέγοντες,	Τί
	और	रखा	सब-ने	उन	सुननेवालों-ने	में	उस	हृदय	अपने	कहते-हुए	क्या
	G2532	G5087	G3956	G3588	G0191	G1722	G3588	G2588	G0846	G3004	G5101

ἄρα	τὸ	παιδίον	τοῦτο	ἔσται?	καὶ	γὰρ	χεὶρ	Κυρίου	ἦν	μετ’	αὐτοῦ.
आखिर	यह	बालक	यह	होगा	और	क्योंकि	हाथ	प्रभु-का	था	साथ	उसके
G0686	G3588	G3813	G3778	G1510	G2532	G1063	G5495	G2962	G1510	G3326	G0846

> जिस किसी ने भी यह बात सुनी, अचरज में पड़कर कहने लगा, “यह बालक क्या बनेगा?” क्योंकि प्रभु का हाथ उस पर है।

67											
	Καὶ	Ζαχαρίας,	ὁ	πατὴρ	αὐτοῦ,	ἐπλήσθη	Πνεύματος	Ἁγίου,	καὶ	ἐπροφήτευσεν,	λέγων,
	और	जकर्याह	उसका	पिता	उसका	भर-गया	आत्मा	पवित्र	और	भविष्यवाणी-की	कहते-हुए
	G2532	G2197	G3588	G3962	G0846	G4130	G4151	G0040	G2532	G4395	G3004

> तब उसका पिता जकरयाह पवित्र आत्मा से अभिभूत हो उठा और उसने भविष्यवाणी की:

68														
	Εὐλογητὸς	Κύριος	ὁ	Θεὸς	τοῦ	Ἰσραήλ,	ὅτι	ἐπεσκέψατο	καὶ	ἐποίησεν	λύτρωσιν	τῷ	λαῷ	αὐτοῦ,
	धन्य	प्रभु	वह	परमेश्वर	का	इस्राएल	क्योंकि	देखभाल-की	और	किया	छुटकारा	को	लोगों	अपने
	G2128	G2962	G3588	G2316	G3588	G2474	G3754	G1980	G2532	G4160	G3085	G3588	G2992	G0846

> “इस्राएल के प्रभु परमेश्वर की जय हो क्योंकि वह अपने लोगों की सहायता के लिए आया और उन्हें स्वतन्त्र कराया।

69										
	καὶ	ἤγειρεν	κέρας	σωτηρίας	ἡμῖν,	ἐν	οἴκῳ	Δαυὶδ	παιδὸς	αὐτοῦ;
	और	उठाया	सींग	उद्धार-का	हमारे-लिए	में	घराने	दाऊद	दास	अपने
	G2532	G1453	G2768	G4991	G1473	G1722	G3624	G1138	G3816	G0846

> उसने हमारे लिये अपने सेवक दाऊद के परिवार से एक रक्षक प्रदान किया।

70										
	καθὼς	ἐλάλησεν	διὰ	στόματος	τῶν	ἁγίων	ἀπ’	αἰῶνος	προφητῶν	αὐτοῦ,
	जैसा	कहा-था	द्वारा	मुख	के	पवित्र	से	प्राचीनकाल	भविष्यवक्ताओं	अपने
	G2531	G2980	G1223	G4750	G3588	G0040	G0575	G0165	G4396	G0846

> जैसा कि उसने बहुत पहले अपने पवित्र भविष्यवक्ताओं के द्वारा वचन दिया था।

71											
	σωτηρίαν	ἐξ	ἐχθρῶν	ἡμῶν,	καὶ	ἐκ	χειρὸς	πάντων	τῶν	μισούντων	ἡμᾶς;
	उद्धार	से	शत्रुओं	हमारे	और	से	हाथ	सब	उन	बैर-करनेवालों	हमसे
	G4991	G1537	G2190	G1473	G2532	G1537	G5495	G3956	G3588	G3404	G1473

> उसने हमें हमारे शत्रुओं से और उन सब के हाथों से, जो हमें घृणा करते थे, हमारे छुटकारे का वचन दिया था।

72											
	ποιῆσαι	ἔλεος	μετὰ	τῶν	πατέρων	ἡμῶν,	καὶ	μνησθῆναι	διαθήκης	ἁγίας	αὐτοῦ,
	करने-को	दया	साथ	उन	पिताओं	हमारे	और	स्मरण-करने-को	वाचा	पवित्र	अपनी
	G4160	G1656	G3326	G3588	G3962	G1473	G2532	G3403	G1242	G0040	G0846

> हमारे पुरखों पर दया दिखाने का अपने पवित्र वचन को याद रखने का।

73											
	ὅρκον	ὃν	ὤμοσεν	πρὸς	Ἀβραὰμ,	τὸν	πατέρα	ἡμῶν,	τοῦ	δοῦναι	ἡμῖν,
	शपथ	जो	खाई	से	अब्राहम	उस	पिता	हमारे	का	देने-को	हमें
	G3727	G3739	G3660	G4314	G0011	G3588	G3962	G1473	G3588	G1325	G1473

> उसका वचन था एक वह शपथ जो हमारे पूर्वज इब्राहीम के साथ ली गयी थी

74							
	ἀφόβως,	ἐκ	χειρὸς	ἐχθρῶν	ῥυσθέντας,	λατρεύειν	αὐτῷ,
	निर्भय	से	हाथ	शत्रुओं	छुड़ाए-हुए	सेवा-करें	उसकी
	G0870	G1537	G5495	G2190	G4506	G3000	G0846

> कि हमारे शत्रुओं के हाथों से हमारा छुटकारा हो और बिना किसी डर के प्रभु की सेवा करने की अनुमति मिले।

75	ἐν	ὁσιότητι	καὶ	δικαιοσύνῃ	ἐνώπιον	αὐτοῦ,	πάσαις	ταῖς	ἡμέραις	ἡμῶν.
	में	पवित्रता	और	धार्मिकता	सामने	उसके	सब	उन	दिनों	हमारे
	G1722	G3742	G2532	G1343	G1799	G0846	G3956	G3588	G2250	G1473

> और अपने जीवन भर हर दिन उसके सामने हम पवित्र और धर्मी रह सकें।

76	Καὶ	σὺ	δέ,	παιδίον,	προφήτης	Ὑψίστου	κληθήσῃ;	προπορεύσῃ	γὰρ
	और	तू	भी	बालक	भविष्यवक्ता	परमप्रधान-का	कहलाएगा	आगे-चलेगा	क्योंकि
	G2532	G4771	G1161	G3813	G4396	G5310	G2564	G4313	G1063
	ἐνώπιον	Κυρίου,	ἑτοιμάσαι	ὁδοὺς	αὐτοῦ;				
	सामने	प्रभु-के	तैयार-करने-को	मार्ग	उसके				
	G1799	G2962	G2090	G3598	G0846				

> “हे बालक, अब तू परमप्रधान का नबी कहलायेगा, क्योंकि तू प्रभु के आगे-आगे चल कर उसके लिए राह तैयार करेगा।

77	τοῦ	δοῦναι	γνῶσιν	σωτηρίας	τῷ	λαῷ	αὐτοῦ,	ἐν	ἀφέσει	ἁμαρτιῶν	αὐτῶν,
	का	देने-को	ज्ञान	उद्धार-का	को	लोगों	उसके	में	क्षमा	पापों	उनके
	G3588	G1325	G1108	G4991	G3588	G2992	G0846	G1722	G0859	G0266	G0846

> और उसके लोगों से कहेगा कि उनके पापों की क्षमा द्वारा उनका उद्धार होगा।

78	διὰ	σπλάγχνα	ἐλέους	Θεοῦ	ἡμῶν,	ἐν	οἷς	ἐπισκέψεται	ἡμᾶς	ἀνατολὴ	ἐξ
	द्वारा	अंतःकरण	दया	परमेश्वर	हमारे	में	जिसमें	देखभाल-करेगा	हमारी	उदय	से
	G1223	G4698	G1656	G2316	G1473	G1722	G3739	G1980	G1473	G0395	G1537
	ὕψους,										
	ऊंचाई										
	G5311										

> “हमारे परमेश्वर के कोमल अनुग्रह से एक नये दिन का प्रभात हम पर ऊपर से उतरेगा।

79	ἐπιφᾶναι	τοῖς	ἐν	σκότει	καὶ	σκιᾷ	θανάτου	καθημένοις;	τοῦ	κατευθῦναι
	प्रकाश-देने-को	उन्हें	में	अंधकार	और	छाया	मृत्यु-की	बैठे-हुओं-को	का	सीधा-करने-को
	G2014	G3588	G1722	G4655	G2532	G4639	G2288	G2521	G3588	G2720
	τοὺς	πόδας	ἡμῶν,	εἰς	ὁδὸν	εἰρήνης.				
	उन	पांव	हमारे	में	मार्ग	शांति				
	G3588	G4228	G1473	G1519	G3598	G1515				

> उन पर चमकने के लिये जो मौत की गहन छाया में जी रहे हैं ताकि हमारे चरणों को शांति के मार्ग की दिशा मिले।”

80	Τὸ	δὲ	παιδίον	ηὔξανεν	καὶ	ἐκραταιοῦτο	πνεύματι;	καὶ	ἦν	ἐν	ταῖς
	वह	और	बालक	बढ़ता-था	और	मजबूत-होता-था	आत्मा-में	और	था	में	उन
	G3588	G1161	G3813	G0837	G2532	G2901	G4151	G2532	G1510	G1722	G3588
	ἐρήμοις	ἕως	ἡμέρας	ἀναδείξεως	αὐτοῦ	πρὸς	τὸν	Ἰσραήλ.			
	जंगलों	तक	दिन	प्रकट-होने	अपने	के-सामने	उस	इस्राएल			
	G2048	G2193	G2250	G0323	G0846	G4314	G3588	G2474			

> इस प्रकार वह बालक बढ़ने लगा और उसकी आत्मा दृढ़ से दृढ़तर होने लगी। वह जनता में प्रकट होने से पहले तक निर्जन स्थानों में रहा।